

# OBSAH

|   |    |
|---|----|
| I. UVAŽOVÁNÍ O ZKUŠENOSTÍ .....             | 5  |
| Metodické aspekty křesťanského volání ..... | 5  |
| 1. Rozhodnost postupu .....                 | 5  |
| 2. Jednoduchost formy .....                 | 6  |
| <i>Svoboda</i> .....                        | 8  |
| <i>Činnost</i> .....                        | 9  |
| <i>Konkrétnost</i> .....                    | 12 |
| 3. Neoddělitelnost dimenzí .....            | 15 |
| <i>Kultura</i> .....                        | 16 |
| <i>Křesťanská láska</i> .....               | 18 |
| <i>Katolicita – misijní dimenze</i> .....   | 21 |
| 4. Společenství jako forma realizace .....  | 23 |
| <i>Osobní angažovanost</i> .....            | 25 |
| <i>Funkcionalita</i> .....                  | 28 |
| <i>Autorita</i> .....                       | 30 |
| <i>Viditelná jednota</i> .....              | 33 |
| II. CESTY KŘESŤANSKÉ ZKUŠENOSTI .....       | 37 |
| Formulace lidského problému .....           | 37 |
| 1. <i>Lidská zkušenost</i> .....            | 37 |
| 2. <i>Samota</i> .....                      | 39 |
| 3. <i>Společenství</i> .....                | 41 |
| 4. <i>Autorita</i> .....                    | 43 |
| 5. <i>Modlitba</i> .....                    | 45 |

|   |     |
|---|-----|
| Setkání s Kristem .....                         | 47  |
| 1. Událost .....                                | 47  |
| 2. Zvláštní přítomnost .....                    | 49  |
| 3. Pán nad přírodou .....                       | 51  |
| 4. On nás zná a rozumí nám .....                | 51  |
| 5. Pán Slova .....                              | 53  |
| 6. Dobrý pastýř .....                           | 55  |
| 7. Kdo je to? .....                             | 56  |
| 8. Setkání dnes .....                           | 58  |
| 9. Angažovanost .....                           | 60  |
| <br>  |     |
| Dar Ducha svatého .....                         | 62  |
| 1. Zkušenost božského .....                     | 62  |
| 2. Zkušenost daru .....                         | 65  |
| 3. Nové společenství .....                      | 67  |
| 4. Jediná autorita .....                        | 69  |
| 5. „Otče náš“ .....                             | 72  |
| <br>  |     |
| Křesťanská existence .....                      | 76  |
| 1. Povolání .....                               | 76  |
| 2. Láska .....                                  | 79  |
| 3. Všeobecnost .....                            | 81  |
| <br>  |     |
| III. KŘESŤANSTVÍ - METODOLOGICKÉ POZNÁMKY ..... | 85  |
| <br>  |     |
| Setkání .....                                   | 90  |
| 1. Setkání .....                                | 90  |
| 2. Setkání jako prověrka .....                  | 99  |
| 3. Setkání jako milost .....                    | 108 |
| 4. Setkání jako zkušenost .....                 | 113 |